



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-09012021-224304
CG-DL-W-09012021-224304

साप्ताहिक/WEEKLY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 9—जनवरी 15, 2021 (पौष 19, 1942)
No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 9—JANUARY 15, 2021 (PAUSA 19, 1942)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	5	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	15	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	57	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	55
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	21
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	51
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्क.....	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	5	by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	15	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	57	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	55
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	21
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	51
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1**[PART I—SECTION 1]**

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2020

सं. 151-प्रेज/2020—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिक को अति विशिष्ट वीरतापूर्ण कार्य के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. श्री अब्दुल राशिद कालस, हेड कांस्टेबल, जम्मू और कश्मीर पुलिस (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 18 फरवरी, 2019)

दिनांक 18.02.2019 को एसएसपी पुलवामा को गांव पिंगलेना में लेथपुरा की तरह फिदायनी हमले की योजना बनाए जाने के लिए जैश-ए-मुहम्मद (जो 14.02.2019 को लेथपुरा, पुलवामा स्थित सीआरपीएफ सुरक्षा बल पर हुए आत्मघाती हमले में शामिल था) के एक समूह की मीटिंग के बारे में पुख्ता जानकारी प्राप्त हुई थी। इस जानकारी को एडिशनल एसपी पुलवामा, डिप्टी एसपी, 55 आरआर और 182/183 सीआरपीएफ बटालियन के साथ साझा किया गया। एडिशनल एसपी पुलवामा, डिप्टी एसपी (पीसी, पुलवामा, द्वारा ऑपरेशन की योजना तैयार की गई और एसआई आजाद अहमद के नेतृत्व में पीसी पुलवामा की पुलिस पार्टी 55 आरआर की सैन्य टुकड़ी और 182/183 सीआरपीएफ बटालियन पिंगलेना पुलवामा पहुंचे। इसी दौरान, आईपीएस, अनंतनाग अमित कुमार के साथ एसपी पुलवामा भी आपरेशन के निरीक्षण हेतु मौके पर पहुंच गए।

ऑपरेशन के सफल बनाने के लिए डीआईजी एसके आर, अनंतनाग/एसपी पुलवामा की कमान में पुलिस और विशेष बलों की दो संयुक्त टीमों लक्ष्य पर केंद्रित करने के लिए गठित कर दी गई। नफरी को दो भागों में बांट दिया गया और पहली टीम में डीआईजीएस के आर अनंतनाग के नेतृत्व में पुलिस पुलवामा, 55 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी ने पूर्वोत्तर और दक्षिण पूर्व की ओर से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। एसपी पुलवामा और एडिशनल एसपी पुलवामा की कमान में 55 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी सहित दूसरी पुलिस टीम को पश्चिमोत्तर और दक्षिण पश्चिम ओर से घेराबंदी करने का दायित्व सौंपा गया। दोनों ही टीमों ने भू-भाग के अनुसार अपना-अपना मोर्चा संभाल लिया जो अलग-अलग आवासीय घरों गहरे नाला और घनी वनस्पति के होने के कारण अत्यंत कठिन मोर्चा था। उक्त क्षेत्र को सील कर दिया गया और कृषि भूमि, आंतरिक सड़कों, रास्तों/उपरास्तों सहित संभावित बच निकलने के सभी मार्गों को अच्छी तरह से बंद कर दिया गया था।

घेराबंदी को अटूट करने के बाद पीसी पुलवामा की टीम ने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए उस क्षेत्र की तलाशी आरंभ कर दी। तथापि डीआईजी एसकेआर के नेतृत्व में वह दल लक्षित मकान पर पहुंचा, आतंकवादियों ने उस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। सहस का परिचय देते हुए श्री अमित कुमार ने तत्काल मोर्चा संभाला और उनकी गोलीबारी का करारा जवाब दिया जिससे आतंकवादी डिफेंसिव हो गए।

आतंकवादियों की उपस्थिति सुनिश्चित कर ली गई और लक्षित स्थान की आंतरिक घेराबंदी को और सुदृढ़ कर दिया गया था तथा जवाबी कार्रवाई सुदृढ़ रूप में की गई थी। तथापि सिविलियन को हताहत होने से बचाव के लिए आपरेशन कमांडर (डीआईजी एसकेआर अनंतनाग) ने लक्षित मकान सहित घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए सिविलियनों को सुरक्षित निकालने का आदेश दिया था। जब सिविलियनों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया जारी थी उसी समय डीआईजी एसकेआर अनंतनाग, एसपी पुलवामा एवं एडिशनल एसपी पुलवामा के नेतृत्व वाली टीमों पर भारी गोलीबारी की बौछार कर दी गई थी। फिर भी अपने मनोबल को कायम रखते हुए डीआईजी ने सुरक्षित बचाव प्रक्रिया तब तक जारी रखी जब तक वह पूरी नहीं हो गई थी। चूंकि सैन्य टुकड़ियों पर हमला करने के लिए आतंकवादियों ने मकान के अंदर तीन अलग-अलग स्थानों पर कब्जा कर लिया था और वे अपना स्थान बार-बार बदल रहे थे, उनके ऊपर जवाबी गोलीबारी करना कठिन हो गया था। इसी बीच कानून और व्यवस्था स्थापित करने के लिए आपरेशनल साइट जिसे पेशेवर तरीके से संभाला गया था, की दिशा में निकट आने के लिए महिला समूह सहित कुछ स्थानीय युवाओं ने भी प्रयास किया था। चूंकि आतंकवादी विशिष्ट लक्ष्यों की ओर निरन्तर गोलीबारी कर रहे थे

इसलिए आपरेशनल टीम प्रभावी रूप से जवाबी गोलीबारी करने से सफल हो रही थी और आतंकवादियों को घेराबंदी क्षेत्र से बच निकलने का कोई मौका नहीं दे रही थी। तथापि इस गंभीर गोलीबारी के दौरान एसआई आजाद अहमद, हैड कांस्टेबल अब्दुल राशिद कालस एवं कुछ सैन्य कार्मिकों को गोली चलाने से चोटें लगी और बाद में हैड कांस्टेबल अब्दुल राशिद कालस और कुछ सैन्य कार्मिक शहीद हो गए थे। एसआई अहमद चमत्कारिक रूप से बच गए क्योंकि गोली उनके सिर (हेलमेट) पर लगी थी परन्तु स्लिप हो गई और उनकी गर्दन पर लग गई। श्री अमित कुमार और उनकी क्यूआरटी जो लक्षित मकान के पूर्वोत्तर और दक्षिण पूर्व की ओर से आपरेशन में कार्यरत थे, उन्होंने सामने की ओर से जवाबी गोलीबारी और तेज कर दी और ऐसा करने से उनको दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता हासिल हो गई। चूंकि तीसरा आतंकवादी एक मकान से दूसरे मकान में पहुंचकर अपना स्थान निरन्तर बदल रहा था और सैन्य टुकड़ियों पर अंधाधुंध गोलीबारी करके घेराबंदी को तोड़ने का भी बार-बार प्रयास कर रहा था इसलिए श्री अमित कुमार और उनकी टीम ने अपने मोर्चे को और मजबूत किया तथा आतंकवादी को बच निकलने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ा। यह भांपते हुए कि आतंकवादी ने कुछ क्षण के लिए गोलीबारी बंद कर दी है उसी वक्त डीआईजी एसकेआर और उनकी टीम ने घेराबंदी को और सुदृढ़ बना दिया तथा सभी रास्तों/उप रास्तों को भी बंद कर दिया।

दिनांक 18 फरवरी, 2019 को भोर के समय, छिपे हुए आतंकवादियों ने फिर अंधाधुंध गोलीबारी प्रारंभ कर दी और बच निकलने के क्रमबद्ध रूप से कई प्रयास किये किन्तु उनके प्रत्येक प्रयास परिवर्तित सैनिकों ने निष्फल कर दिया। उन आतंकवादियों द्वारा कब्जे में लिये घर को प्रत्येक ओर से लक्षित करके और उसे डीआईजी एसकेआर अंतर्नाग और कुछ सैन्य अधिकारियों/कार्मिकों के पर्यवेक्षण में आईईडी लगाकर उड़ा दिया गया। लक्षित घर से गोलीबारी बंद हो गई और यह माना गया कि सभी आतंकवादी मारे गए और उनके शव बिल्लिंग के मलबे में दब गए। श्री अमित कुमार, आईपीएस, डीआईजी एसकेआर के नेतृत्व में कुछ पुलिस/सेना के जवानों का नेतृत्व करते हुए मलबे में दबे आतंकवादियों के शवों की खोजबीन शुरू की। आतंकवादी, जो आईईडी हमले में बच गया उसे मृत समझकर प्रतिबंधित वाहन में रखा गया था और वह अचानक से खड़ा हो गया और सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें श्री अमित कुमार, आईपीएस एसकेआर अनंतनाग गंभीर रूप से घायल हो गए और वहां से उन्हें आर्मी हॉस्पिटल श्रीनगर भेजा गया वहां से उन्हें एयरलिफ्ट कर एम्स दिल्ली लाया गया और उनका एम्स में इलाज चल रहा है, संयुक्त ऑपरेशन टीम ने बिना घबराहट के बहादुरी से लड़े और तीसरे आतंकवादी को ढेर कर दिया। खोजबीन के दौरान सभी तीनों आतंकवादियों के शवों को मलबे से बरामद कर लिया गया। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किए गए।

प्रासंगिक रूप से श्री अमित कुमार, आईपीएस, डीआईजी एसकेआर अनंतनाग ने असाधारण नेतृत्व का परिचय दिया जिसके कारण ऑपरेशन को कार्यान्वित किया जा सका क्योंकि किसी सिविलियन को हानि पहुंचाएं बिना तीन खतरनाक आतंकवादियों को मार गिराना सचमुच में एक चुनौतिपूर्ण कार्य था। इसी समय, एचसी अब्दुल राशिद कालस ने संपूर्ण ऑपरेशन के दौरान वीरता का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादियों को लक्ष्य बनाया जिसमें वे वीरगति को प्राप्त हुए।

ऑपरेशन के दौरान श्री अब्दुल राशिद कालस, हैड कांस्टेबल ने खूंखार आतंकवादियों से लड़ने और उन्हें मार गिराने में वीरता और अनुकरणीय साहस का परिचय दिया और राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 152-प्रेज/2020—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:—

1. श्री अमित कुमार, उप महानिरीक्षक पुलिस, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 18 फरवरी, 2019)

दिनांक 18.02.2019 को एसएसपी पुलवामा को ग्राम पिंगलेना में लेथोपुरा तरह के फिदायनी हमले की योजना बनाते हुए जैश ए मोहम्मद समूह के आतंकवादियों (जो लेथोपुरा पुलवामा में 14.02.2019 को सीआरपीएफ रक्षादल पर आत्मघाती हमले में शामिल थे) की बैठक होने की विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई थी। उक्त सूचना को एडिशनल एसपी, पुलवामा डिप्टी एसपी, 55 आरआर तथा 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा किया गया। आपरेशन की तैयारी की गई और एडिशनल एसपी पुलवामा, डिप्टी एसपी (पीसी) पुलवामा, इंचार्ज एसआई आजाद अहमद के नेतृत्व में पीसी पुलवामा का पुलिस दल, 55 आरआर एवं 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की सैन्य टुकड़ी ग्राम पिंगलेना पुलवामा की ओर चल पड़ी। इसी बीच एसपी पुलवामा के साथ श्री अमित कुमार आईपीएस अनंतनाग भी आपरेशन का निरीक्षण करने के लिए उस स्थान पर पहुंच गए।

ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए डीआईजी एसकेआर, अनंतनाग/एसपी पुलवामा की कमान में पुलिस और विशेष बलों की दो संयुक्त टीमों लक्ष्य पर केंद्रित करने के लिए गठित कर दी गई। नफरी को दो भागों में बांट दिया गया और पहली टीम में डीआईजीएस के आर अनंतनाग के नेतृत्व में पुलिस पुलवामा, 55 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी ने पूर्वोत्तर और दक्षिण पूर्व की ओर

से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। एसपी पुलवामा और एडीशनल एसपी पुलवामा की कमान में 55 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी सहित दूसरी पुलिस टीम को पश्चिमोत्तर और दक्षिण पश्चिम ओर से घेराबंदी करने का दायित्व सौंपा गया। दोनों ही टीमों ने भू-भाग के अनुसार अपना-अपना मोर्चा संभाल लिया जो अलग-अलग आवासीय घरों गहरे नाला और घनी वनस्पति के होने के कारण अत्यंत कठिन मोर्चा था। उक्त क्षेत्र को सील कर दिया गया और कृषि भूमि, आंतरिक सड़कों, रास्तों/उपरास्तों सहित संभावित बच निकलने के सभी मार्गों को अच्छी तरह से बंद कर दिया गया था।

घेराबंदी को अटूट करने के बाद पीसी पुलवामा की टीम ने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए उस क्षेत्र की तलाशी आरंभ कर दी। तथापि डीआईजी एसकेआर के नेतृत्व में वह दल मोहम्मद अब्दुल्ला हजाम पुत्र गुलाम मोहम्मद हजाम और अबली जाजम पुत्र गफर हजाम निवासी पिंगलेना के लक्षित मकान की ओर आगे बढ़ रहा था इसलिए आतंकवादियों ने उस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी और श्री अमित कुमार, आईपीएस डीआईजी एसकेआर और उनके कार्मिक बाल-बाल बच गए। सहस्र का परिचय देते हुए श्री अमित कुमार ने तत्काल मोर्चा संभाला और उनकी गोलीबारी का करारा जवाब दिया जिससे आतंकवादी डिफेंसिव हो गए। चूंकि शाम का वक्त हो गया था इसलिए लक्षित क्षेत्र में रोशनी करने के लिए सर्च/स्ट्रीट लाइटें जला दी गई थी। घिरे हुए आतंकवादी की हरकत पर नजर रखने के लिए लक्षित मकान के चारों ओर कंसर्टीना वायर भी लगा दिया गया था।

आतंकवादियों की उपस्थिति सुनिश्चित कर ली गई और लक्षित स्थान की आंतरिक घेराबंदी को और सुदृढ़ कर दिया गया था तथा जवाबी कार्रवाई सुदृढ़ रूप में की गई थी। तथापि सिविलियन को हताहत होने से बचाव के लिए आपरेशन कमांडर (डीआईजी एसकेआर आनंतनाग) ने लक्षित मकान सहित घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए सिविलियनों को सुरक्षित निकालने का आदेश दिया था। जब सिविलियनों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया जारी थी उसी समय डीआईजी एसकेआर आनंतनाग, एसपी पुलवामा एवं एडीशनल एसपी पुलवामा के नेतृत्व वाली टीमों पर भारी गोलीबारी की बौछार कर दी गई थी। फिर भी अपने मनोबल को कायम रखते हुए डीआईजी ने सुरक्षित बचाव प्रक्रिया तब तक जारी रखी जब तक वह पूरी नहीं हो गई थी। चूंकि सैन्य टुकड़ियों पर हमला करने के लिए आतंकवादियों ने मकान के अंदर तीन अलग-अलग स्थानों पर कब्जा कर लिया था और वे अपना स्थान बार-बार बदल रहे थे। उनके ऊपर जवाबी गोलीबारी करना कठिन हो गया था। इसी बीच कानून और व्यवस्था स्थापित करने के लिए आपरेशनल साइट जिसे पेशेवर तरीके से संभाला गया था, की दिशा में निकट आने के लिए महिला समूह सहित कुछ स्थानीय युवाओं ने भी प्रयास किया था। चूंकि आतंकवादी विशिष्ट लक्ष्यों की ओर निरन्तर गोलीबारी कर रहे थे इसलिए आपरेशनल टीम प्रभावी रूप से जवाबी गोलीबारी करने से सफल हो रही थी और आतंकवादियों को घेराबंदी क्षेत्र से बच निकलने का कोई मौका नहीं दे रही थी। तथापि इस गंभीर गोलीबारी के दौरान एसआई आजाद अहमद, हैड कांस्टेबल अब्दुल राशिद कालस एवं कुछ सैन्य कार्मिकों को गोली चलाने से चोटें लगी और बाद में हैड कांस्टेबल अब्दुल राशिद कालस और कुछ सैन्य कार्मिक शहीद हो गए थे। एसआई अहमद चमत्कारिक रूप से बच गए क्योंकि गोली उनके सिर (हेलमेट) पर लगी थी परन्तु स्लिप हो गई और उनकी गर्दन पर लग गई। श्री अमित कुमार और उनकी क्यूआरटी जो लक्षित मकान के पूर्वोत्तर और दक्षिण पूर्व की ओर से आपरेशन में कार्यरत थे, उन्होंने सामने की ओर से जवाबी गोलीबारी और तेज कर दी और ऐसा करने से उनको दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता हासिल हो गई। चूंकी तीसरा आतंकवादी एक मकान से दूसरे मकान में पहुंचकर अपना स्थान निरन्तर बदल रहा था और सैन्य टुकड़ियों पर अंधाधुंध गोलीबारी करके घेराबंदी को तोड़ने का भी बार-बार प्रयास कर रहा था इसलिए श्री अमित कुमार और उनकी टीम ने अपने मोर्चे को और मजबूत किया तथा आतंकवादी को बच निकलने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ा। यह भांपते हुए कि आतंकवादी ने कुछ क्षण के लिए गोलीबारी बंद कर दी है उसी वक्त डीआईजी एसकेआर और उनकी टीम ने घेराबंदी को और सुदृढ़ बना दिया तथा सभी रास्तों/उप रास्तों को भी बंद कर दिया।

दिनांक 18 फरवरी, 2019 को भोर के समय, छिपे हुए आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी प्रारंभ कर दी और बच निकलने के क्रमबद्ध रूप से कई प्रयास किये किन्तु उनके प्रत्येक प्रयास को सैनिकों ने रद्दोबल करते हुए निष्फल कर दिया। उन आतंकवादियों द्वारा कब्जे में लिये घर को प्रत्येक ओर से लक्ष्य बनाते हुए और डीआईजी एसकेआर अंतनाग और कुछ सैन्य अधिकारियों/कार्मिकों के निरीक्षण के तहत आईईडी लगाकर उड़ा दिया। लक्षित घर से गोलीबारी बंद हो गई और यह माना गया कि सभी आतंकवादी मारे गए और उनके शव बिल्लिंग के मलबे में दब गए। श्री अमित कुमार, आईपीएस, डीआईजी एसकेआर के नेतृत्व में कुछ पुलिस/सेना के जवानों का नेतृत्व करते हुए मलबे में दबे आतंकवादियों के शवों की खोजबीन शुरू की। आतंकवादी, जो आईईडी हमले में बच गया उसे मृत समझकर प्रतिबंधित वाहन में रखा गया था और वह अचानक से खड़ा हो गया और सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें श्री अमित कुमार, आईपीएस एसकेआर आनंतनाग गंभीर रूप से घायल हो गए और वहां से उन्हें आर्मी हास्पिटल श्रीनगर भेजा गया वहां से उन्हें एयरलिफ्ट कर एम्स दिल्ली लाया गया और उनका एम्स में इलाज चल रहा है, संयुक्त ऑपरेशन टीम ने बिना घबराहट के साहसपूर्ण रूप से लड़े और तीसरे आतंकवादी को ढेर कर दिया। खोजबीन के दौरान सभी तीनों आतंकवादियों के शवों को मलबे से बरामद कर लिया गया। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किए गए।

प्रासंगिक रूप से श्री अमित कुमार, आईपीएस, डीआईजी एसकेआर आनंतनाग असाधारण नेतृत्व का परिचय दिया जिसके कारण ऑपरेशन को कार्यान्वित किया जा सका क्योंकि किसी सिविलियन को हानि पहुंचाएं बिना तीन खतरनाक आतंकवादियों को मार गिराना सच में एक चुनौतिपूर्ण कार्य था। यह उल्लेखनीय है कि एक समय जब डीआईजी एसकेआर के नेतृत्व में बचाव आपरेशन संचालित किया गया था तो यह आशंका हुई कि सिविलियन हताहत हो सकते हैं। तथापि श्री अमित कुमार के नेतृत्वाधीन बचाव टीम ने अनेक सिविलियनों की जान को

सुरक्षित बचाकर अत्यंत प्रशंसनीय/अनुकरणीय कार्य किया। आपरेशन के अंतिम चरण तक भी श्री अमित कुमार सामने से मुकाबला करते रहे और उनके पास आतंकवादियों के निशाने से बच निकलने के अनेक चमत्कारी उपाय थे। इसी समय, एचसी अब्दुल राशिद कालस ने संपूर्ण ऑपरेशन के दौरान अनुकरणीय वीरता का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादियों को लक्ष्य बनाए रखा जिसमें वे वीरगति को प्राप्त हुए।

श्री अमित कुमार, आईपीएस तत्कालीन डीआईजी एस के आर अनंतनाग ने अपनी सैन्य टुकड़ियों के साथ-साथ स्थानीय जनसाधारण की जान बचाने में अपने जीवन को जोखिम में डालकर असाधारण नेतृत्व गुणों, अटूट धैर्य तथा नैतिक साहस का परिचय दिया।

2. स्वर्गीय श्री महावीर प्रसाद गोदारा, उपनिरीक्षक (एक्सीक्युटिव) सीआईएसएफ (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 06 मार्च, 2019)

दिनांक 06.03.2019 को श्री महावीर प्रसाद गोदारा उपनिरीक्षक को सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली में 0500 बजे से 1300 बजे तक 'ए' शिफ्ट में शिफ्ट इंचार्ज के रूप में तैनात किया गया था। अचानक ही लगभग 0830 बजे 5वीं मंजिल पर स्थिति पंडित दीनदयाल अन्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स जहां पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का कार्यालय है, वहां से आग लगने की रिपोर्ट प्राप्त हुई। आग लगने की सूचना प्राप्त होते ही वह उस क्षेत्र को खाली करवाने के लिए दौड़ पड़े। 5वीं मंजिल पर अपने त्वरित कार्रवाई दल की सहायता से वहां पर फंसे हुए कार्मिक को सुरक्षित निकालने के दौरान एक विभाजक दीवार गिर गई और काफी अधिक मात्रा में धुंआ बाहर निकला और उपनिरीक्षक/एक्सीक्युटिव महावीर प्रसाद गोदारा के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई दल को अपनी गिरफ्त में ले लिया। टीम के अन्य सदस्य तुरंत वापस लौट गए लेकिन वे अभी भी संभावित जीवित बचे हुए व्यक्तियों की तलाश कर रहे थे और वह घटना स्थल से स्वयं को नहीं बचा पाए। उनको तुरन्त एम्स हास्पिटल ले जाया गया जहां पर डाक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया।

श्री महावीर प्रसाद गोदारा, उपनिरीक्षक (कार्यकारी) ने बहादुरी, अदम्य साहस, अटूट समर्थन तथा ड्यूटी के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

3. 3003914 एक्स हवलदार आलोक कुमार दुबे, दि राजपूत रेजिमेन्ट/44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राइफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 22 जून, 2019)

दिनांक 22 जून 2019 को आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिलने पर गाँव दारमदोर, जिला शोपियाँ (जम्मू और कश्मीर) के नजदीकी जंगलों में घेराबंदी और तलाशी अभियान प्रारंभ किया गया।

हवलदार आलोक कुमार दुबे ने अपनी रणनितिक सूझबूझ से कंपनी कमांडर को प्रारंभिक घेराबंदी लगाने में मदद की। वो खुद अंदरूनी घेराव में तैनात थे। लगभग 0540 बजे, उन्होंने अपने ठीक सामने घनी झाड़ियों में संदेहपूर्ण हरकत देखी। लगभग 0545 बजे, उनको अपने नजदीकी झाड़ियों में आतंकवादियों की हरकत का पता चला जो कि कम रोशनी और झाड़ियों का फायदा उठाकर घेराव तोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे। चुनौती मिलने पर आतंकवादियों ने घेराबंदी पर हथगोला फेंका और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसका उत्तर हवलदार आलोक कुमार दुबे ने अपने अदम्य साहस व अभूतपूर्व साहसिक कार्रवाई का प्रदर्शन करते हुए दिया व आगे बढ़कर एक आतंकवादी के उपर धावा बोल दिया और भयंकर गोलीबारी व नजदीकी लड़ाई में उस आतंकवादी को मार गिराया। बाद में मारे गये आतंकवादी की पहचान कैटगरी ए++ आतंकवादी के रूप में हुई। व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किये बिना वो रेंगते हुए आगे बढ़े और आतंकवादियों के बच निकलने के प्रयास को विफल किया तथा उनके निकास के रास्ते को बन्द कर दिया। उनके साहसपूर्ण कार्य ने आतंकवादियों के भागने के प्रयास को विफल किया और अपनी घेराबंदी को मजबूत किया, जिससे चार आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता मिली।

अपने अदम्य साहस, दिमागी सूझ-बूझ, उदाहरणात्मक पहल और अपूर्व साहस का प्रदर्शन करते हुए एक खूँखार आतंकवादी को मार गिराया।

4. विंग कमांडर विशाख नायर (28993) उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 05 अगस्त, 2019)

विंग कमांडर विशाख नायर (28993) उड़ान (पायलट) 21 अप्रैल, 2018 से एक सुखोई 30 एम के आई स्क्वाड्रन में तैनात हैं।

विंग कमांडर विशाख नायर 05 अगस्त, 2019 को एक अनुदेशात्मक उड़ान मिशन पर कैप्टन के रूप में उड़ान भर रहे थे। एक मनुवर से रिकवर करने के बाद इन्हें पता चला कि लेवल फ्लाइट में वापस आने के लिए कंट्रोल-स्टिक वापस लाने में इन्हें असामान्य रूप से काफी उच्च स्तर का बल प्रयोग करना पड़ रहा है। ऑटोपायलट मोड में लाने पर वायुयान अनियंत्रित हो गया और पिच दोलन काफी ऊपर-नीचे होने लगा। इन्होंने वायुयान पर मैन्युअल नियंत्रण बनाया और वायुयान को लेवल फ्लाइट पर ले आए, हालांकि इसके लिए इन्हें स्टिक पर काफी बल लगाना पड़ा। वायुयान किसी भी सामान्य नियंत्रण इनपुट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखा रहा था और बड़ी मुश्किल से नियंत्रण में था और वह भी गति के उच्चतर अवस्था में होने पर ही। इन्होंने गति कम करने और लैंडिंग गियर नीचे करने की कोशिश की, लेकिन इससे स्थिति और बिगड़ गई और कंट्रोल-स्टिक के बिलकुल पीछे होने की स्थिति में भी वायुयान तेजी से नीचे आने लगा। इन्होंने तुरंत लैंडिंग गियर को उपर किया और काफी उच्च

स्टिक बल के साथ मैनुअली उड़ान भरते हुए वायुयान पर नियंत्रण किया। इसके बाद इन्होंने तीव्र गति और ढलवां अप्रोच के साथ लैंड करने के पांच प्रयास किए क्योंकि वायुयान उच्च गति पर ही नियंत्रण योग्य था, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। ऐसी विषम परिस्थिति में सामान्यतः एक पायलट ने इजेक्ट करना होता है, परंतु काफी थके होने के बावजूद इन्होंने अपनी बची-खुची ताकत, सूझ-बूझ और वायुयान सिस्टम की जानकारी का उपयोग करने का निर्णय किया। इन्होंने यह जानते हुए कि इससे डैपिंग सिस्टम सक्रिय हो जाएगा, हवा से हवा में रिफ्यूलिंग प्रोब को आगे बढ़ाने का विकल्प चुना। इस अवस्था में काफी थके होने, स्टिक पर काफी जोर लगाने और ईंधन कम होने की स्थिति में इन्होंने लैंड कराने का एक और प्रयास किया। अप्रोच पर लैंडिंग से 03 कि.मी. पहले ये नियंत्रण विक्षेप की सीमा तक पहुँच गए, लेकिन उच्च गति बनाए रखते हुए और रनवे के मध्य को लक्ष्य रखते हुए वायुयान को सुरक्षित लैंड कराने में सफल रहे। तत्पश्चात निरीक्षण से यह ज्ञात हुआ कि वायुयान के फ्लाई-बाइ-वायर तंत्र में एंगल आफ अटैक सेन्सर का क्रिटिकल यांत्रिक फेल्योर होना वायुयान को व्यावहारिक रूप से उड़ान के अयोग्य बना दिया होता। विंग कमांडर नायर ने अपने शौर्यपूर्ण कार्य के द्वारा न सिर्फ स्वयं की जान बचाई बल्कि एक अत्यंत महंगे वायुयान को बचा लेने में सफल रहे।

विंग कमांडर विशाख नायर ने अत्यंत तनावपूर्ण स्थिति में असाधारण व्यवसायिकता, सूझ-बूझ और साहस का प्रदर्शन किया।

5. स्वर्गीय श्री एरन्ना नायका, हैड कांस्टेबल सीआईएसएफ (मरणोपरान्त)
6. स्वर्गीय श्री महेन्द्र कुमार पासवान, कांस्टेबल/डीसीपीओ, सीआईएसएफ (मरणोपरान्त)
7. स्वर्गीय श्री महेन्द्र कुमार पासवान, कांस्टेबल/डीसीपीओ, सीआईएसएफ (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 03 सितम्बर, 2019)

दिनांक 03.09.2019 को लगभग 0635 बजे ओएनजीसी, मुम्बई अर्बन प्लांट की एलपीजी गेट झूटी पोस्ट पर तैनात सीआईएसएफ कार्मिकों को गैस की दुर्गंध महसूस हुई और उनको सांस लेने में तकलीफ होने लगी। इसकी सूचना मैन गेट कंट्रोल रूम को दी गई।

मैन गेट कंट्रोल रूम से काल प्राप्त होने पर सीआईएसएफ फायर विंग के कार्मिक एसटीएफ के साथ तुरन्त ही घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े।

हैड कांस्टेबल (फायर) श्री एरन्ना नायका अन्य दो सीआईएसएफ कार्मिकों नामतः कांस्टेबल (ड्राइवर सह पम्प आपरेटर) श्री महेन्द्र कुमार पासवान और कांस्टेबल (फायर) श्री सतीश प्रसाद कुशवाह के साथ प्लांट के अंदर पहुंचे और गैस लीकेज के स्रोत की जांच करने लगे। अचानक ही प्लांट के अंदर ब्लास्ट हो गया और हैड कांस्टेबल (फायर) श्री एरन्ना नायका जो अग्नि शमन कार्य में लगे हुए थे वह जीवित ही जल गए और उन्होंने अपना जीवन बलिदान कर दिया।

श्री एरन्ना नायका, हैड कांस्टेबल (फायर), कांस्टेबल (ड्राइवर सह पम्प आपरेटर) श्री महेन्द्र कुमार पासवान एवं कांस्टेबल (फायर) सतीश कुमार कुशवाह ने अपनी झूटी का निर्वाह करते हुए वीरता, अदम्य साहस, अत्यंत समर्पण तथा प्रतिबद्धता का परिचय दिया और राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया।

8. आई सी-68482 वाई लेफ्टिनेन्ट कर्नल कृष्ण सिंह रावत, सेना मेडल, प्रथम बटालियन दि पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 24, दिसम्बर 2019)

लेफ्टिनेन्ट कर्नल कृष्ण सिंह रावत, सेना मेडल, जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा के निकट आतंकवादी विरोधी व आतंकवादी घुसपैठ विरोधी ऑपरेशन के तहत एक मिशन के टीम लीडर के तौर पर तैनात थे।

नियंत्रण रेखा पर तैनाती के दौरान दिनांक 24 दिसम्बर 2019 को उनको आतंकवादियों की घुसपैठ व अपनी सैन्य टुकड़ी पर घातक हमला कर नुकसान पहुँचाने के प्रयासों की गुप्त सूचना प्राप्त हुई। इस पर उन्होंने अपनी सैन्य टुकड़ी को घुसपैठ के सम्भावित रास्तों पर तैनात कर दिया। 36 घंटों के विपरीत मौसम व नियंत्रण रेखा के बहुत समीपवर्ती इलाके में उनकी टीम ने घात लगाकर एक आतंकवादी समूह को देखा। आतंकवादियों की हरकत की भनक लगने पर भारी गोलाबारी के बीच रेंगते हुए आतंकवादी के नजदीक पहुँच कर सही फायर कर, उन्होंने दो आतंकवादियों को मार गिराया। अंधाधुंध फायरिंग के बावजूद उन्होंने शेष आतंकवादियों पर निशाना बनाते हुए, अपने दल को रणनीति के तहत अच्छी पोजिशन पर रखा।

भारी गोलीबारी के बीच व दुश्मन के काफी करीब रहकर इलाके की लगातार निगरानी करते हुए उन्होंने शेष आतंकवादियों पर भारी मात्रा में गोलीबारी कर उन्हें मार गिराया व अन्य एक आतंकवादी को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल कृष्ण सिंह रावत, सेना मेडल ने पूरे ऑपरेशन के दौरान कुशल नेतृत्व, दृढ़ संकल्प व अदम्य साहस का परिचय दिया।

9. आईसी-73334एक्स मेजर अनिल अर्स, चौथी बटालियन दि माराठा लाइट इंफैंट्री

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 26, दिसम्बर 2019)

मेजर अनिल अर्स जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा के नजदीक कंपनी कमांडर के रूप में तैनात थे।

आतंकवादियों के नियंत्रण रेखा के पास इकट्ठा होने व नियंत्रण रेखा को पार करके अपने सैनिकों पर हमला करने के खतरे की सूचना प्राप्त होने पर उन्होंने आतंकवादियों के संभावित रास्ते के पास घेराबंदी कर दिया।

अपनी रणनीतिक कौशलता, अदम्य साहस तथा सहनशक्ति का परिचय देते हुए मेजर अनिल अर्स अपने स्थान पर बने रहे। आतंकवादियों के समूह का पता चलते ही मेजर अनिल अर्स ने अंधाधुंध गोलाबारी करके तीन आतंकवादियों को मार गिराया। नियंत्रण रेखा के काफी नजदीक होते हुए व सीमा पार से भारी गोलाबारी के बावजूद वे अपनी जान के खतरे की परवाह न करते हुए असाधारण नेतृत्व और कर्तव्य निष्ठा से अपने स्थान पर बने रहे ताकी शेष आतंकवादियों को भी मारा जा सके।

करीब 15 मिनट तक भयंकर गोलीबारी से बचते हुए उनकी टोली ने आतंकवादियों पर अंधाधुंध फायर किया और दो अन्य आतंकवादियों को भी मार गिराया।

मेजर अनिल अर्स ने अदम्य साहस, कुशल नेतृत्व व रण कौशलता का परिचय दिया।

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्याधिकारी

सं. 153-प्रेज/2020—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसिक कार्यों के लिए "बार टू सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. आईसी-65911के लेफ्टिनेंट कर्नल अमित कंवर, सेना मेडल, दी पंजाब रेजिमेन्ट, 22वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
2. आईसी-66127एच लेफ्टिनेंट कर्नल अमरेन्द्र प्रसाद द्विवेदी, सेना मेडल, दी असम रेजिमेन्ट, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
3. आईसी-72542ए मेजर अमित साह, सेना मेडल, दी गढ़वाल राइफल्स, 14वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
4. आईसी-75350एन मेजर अखिल कुमार त्रिपाठी, सेना मेडल, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 10वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
5. जेसी-414157वाई नायब सूबेदार अनिल कुमार, सेना मेडल**, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्याधिकारी

सं. 154-प्रेज/2020—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसिक कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. आईसी-63375एन लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज कुमार भारद्वाज, दी तोपखाना रेजिमेन्ट, 36वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
2. आईसी-67124एफ लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश कुमार, 19वीं बटालियन दी गढ़वाल राइफल्स
3. आईसी-69038पी मेजर अर्चित गोस्वामी, चौथी बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
4. आईसी-73987वाई मेजर, अमन सिंह, दी कवचित कोर, 14वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
5. आईसी-75187वाई मेजर राहुल कुमार सिंह, दी सिख लाइट इंफैंट्री, 19वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
6. आईसी-76730वाई मेजर राहुल शर्मा, दी सिख लाइट इंफैंट्री, 19वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
7. आईसी-77355एल मेजर विनायक विजय, दी ग्रेनेडियर्स रेजिमेन्ट, 55वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
8. आईसी-77478एक्स मेजर केतन शर्मा, दी इंजीनियर्स कोर, 19वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरान्त)
9. आईसी-78486एच मेजर आशुतोष तोमर, 23वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट

10. आईसी-78527एफ मेजर शेकट शेखर सरदार, दी तोपखाना रेजिमेन्ट, 36वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
11. आईसी-80434एल मेजर राहुल शर्मा, छठी बटालियन दी जम्मू एवं कश्मीर लाइट इंफेन्ट्री
12. आईसी-80933ए मेजर दीपक कुमार, 9वीं बटालियन दी राजपूताना राइफल्स
13. आईसी-78434एम कैप्टन जसमीत सिंह, दी तोपखाना रेजिमेन्ट, 34वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
14. आईसी-78962डब्ल्यू कैप्टन अमित दहिया, प्रथम बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
15. आईसी-80118एम कैप्टन अभिशेक कटोच, दी इलेक्ट्रानिक्स एवं मेकेनिकल इंजीनियर्स कोर, तीसरी बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
16. आईसी-81580एक्स कैप्टन नवल शांडिल्य, प्रथम बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
17. एसएस-50422एफ लेफ्टिनेंट राहुल शर्मा, दी इलेक्ट्रानिक्स एवं मेकेनिकल इंजीनियर्स कोर, दूसरी बटालियन दी असम रेजिमेन्ट
18. जेसी-550655एल सूबेदार के लालडिंगलियाना, दी असम रेजिमेन्ट, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
19. जेसी-414202ए नायब सूबेदार राजेन्द्र कुमार पलारिया, प्रथम बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
20. जेसी-588970एल नायब सूबेदार सेवांग ग्यालशन, 5वीं बटालियन दी लद्दाख स्काउट रेजिमेन्ट (मरणोपरान्त)
21. 13625595एल हवलदार हरीश बिष्ट, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
22. 13626539वाई हवलदार अमर सिंह, प्रथम बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
23. 13627094के हवलदार शिव कुमार यादव, प्रथम बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
24. 15341245डब्ल्यू हवलदार राजेश कुमार, दी इंजीनियर्स कोर, तीसरी बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
25. 2695864डब्ल्यू हवलदार सुरेश कुमार, 10वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
26. 3004037एफ हवलदार रविन्द्रा सिंह, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 10वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
27. 4086828वाई हवलदार कुलदीप सिंह नेगी, दी पैराशूट रेजिमेन्ट, 31वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
28. 4368047एफ हवलदार दशरथ कुमार बासुमत्री, दूसरी बटालियन दी असम रेजिमेन्ट
29. 16015805एक्स लांस हवलदार सुमित सिंह, 23वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट
30. 2805337ए लांस हवलदार पवार विकास वसंत, चौथी बटालियन दी मराठा लाइट इंफेन्ट्री
31. 15489331एन लांस दफादार राहुल सिंह, दी कवचित कोर, 24वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
32. 15501308पी एक्टिंग लांस दफादार नसीब सिंह, दी कवचित कोर, 22वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
33. 14839678एफ नायक रवि रंजन कुमार सिंह, दी सेना सर्विस कोर, 16 कोर इंटेलिजेंस एंड सर्विलियेंस यूनिट (मरणोपरान्त)
34. 15186981एक्स नायक लाबा घारा, दी पैराशूट रेजिमेन्ट, 31वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
35. 2501896एन नायक मनिंदर सिंह, तीसरी बटालियन दी पंजाब रेजिमेन्ट (मरणोपरान्त)
36. 2501928एल नायक उरद राम सिंह, दी पंजाब रेजिमेन्ट, 53वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
37. 3003074एच नायक शिव प्रताप सिंह चौहान, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 44वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
38. 3010203ए नायक सत्य पाल सिंह, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 10वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
39. 3012690के नायक राजेन्द्र सिंह, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 23वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरान्त)
40. 4372508एक्स नायक एस शांग्रियो, दी असम रेजिमेन्ट, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
41. 4374459वाई नायक कोनसम गौतम सिंह, दी असम रेजिमेन्ट, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
42. 13630205एफ लांस नायक बीरदाओ डीमारी, 11वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)

43. 13014980एक्स सिपाही बोरोगा नर्जरी, दी असम रेजिमेन्ट, 166वीं इन्फैन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) (होम एंड हर्थ) असम
44. 13629079एन सिपाही हडियोल चंदाजी हीराजी, दी ग्रिनेडियर्स रेजिमेन्ट, 55वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
45. 15196884एन सिपाही राजपाल, दी तोपखाना रेजिमेन्ट, 19वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
46. 2709675ए सिपाही संजय कुमार, दी ग्रिनेडियर्स रेजिमेन्ट, 55वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
47. 2810634एक्स सिपाही पाटिल विकास तुकाराम, 7वीं बटालियन दी मराठा लाइट इन्फैन्ट्री
48. 2815837एल सिपाही सकपाल दीपक तुकाराम, चौथी बटालियन दी मराठा लाइट इन्फैन्ट्री
49. 2817963डब्ल्यू सिपाही कापसे विकास साईनाथ, 18वीं बटालियन दी मराठा लाइट इन्फैन्ट्री
50. 3012585एन सिपाही हेतराम गुर्जर, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 44वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
51. 3012688एम सिपाही रोहित कुमार यादव, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 44वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरान्त)
52. 3013168एन सिपाही आनंद सिंह शेखावत, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 44वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
53. 3013198एल सिपाही अभिसेक पुंडीर, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 44वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
54. 3013359एच सिपाही अंकित सिंह, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 44वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
55. 3209173एल सिपाही रामवीर, दी जाट रेजिमेन्ट, 34वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरान्त)
56. 4206706एन सिपाही संतोष जोशी, दी कुमाऊं रेजिमेन्ट, 50वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
57. 13779301पी राइफलमैन सतीश कुमार, दी जम्मू और कश्मीर राइफल्स, तीसरी बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
58. 2714711के ग्रिनेडियर हेमराज जाट, चौथी बटालियन दी ग्रिनेडियर्स (मरणोपरान्त)
59. 15801852पी पैराट्रूपर सुमेर सिंह, प्रथम बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
60. 15506701एफ सवार विकास कुमार द्विवेदी, दी कवचित कोर, 22वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्याधिकारी

सं. 155-प्रेज/2020—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसिक कार्यों के लिए "नौसेना मेडल/नेवी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. कैप्टन मृगांक शयोकंद (05107-एफ)
2. कमांडर धनुष मेनोन (05556-ए)
3. हरिदास कुंडु, सी एच ए (एफ डी), 130956-बी
4. नवीन कुमार, एल एस (यूडब्ल्यू), 230889-जेड

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्याधिकारी

सं. 156-प्रेज/2020—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसिक कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल/एयर फोर्स मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. विंग कमांडर अम्बर अग्रवाल (29062) उड़ान (पायलट)
2. स्क्वाड्रन लीडर अरूण बी (32507) उड़ान (पायलट)
3. फ्लाइट लेफ्टिनेंट करण रंजीत देशमुख (34855) उड़ान (पायलट)

4. फ्लाइट लेफ्टिनेंट कुलदीप सिंह राजावत (35695) वैमानिक इंजीनियर (इलेक्ट्रानिकी)
5. 918586 कार्पोरल पहाड़ सिंह खरवड़ भारतीय वायु सेना (सुरक्षा)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्याधिकारी

सं. 157-प्रेज/2020—राष्ट्रपति, “चीफ ऑफ दी आर्मी स्टाफ” से रक्षा मंत्री द्वारा प्राप्त किए गए “मेन्शन-इन-डिस्पेचिस” हेतु निम्नलिखित अधिकारियों/कार्मिकों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशन हेतु अनुमोदन प्रदान करते हैं :—

ऑपरेशन मेघदूत

1. एसएस-44432पी मेजर राज कुमार, सेना विमानन, 7 आर एंड ओ फ्लाईट
2. जेसी-588722पी सूबेदार सोनम दोरजे, चौथी बटालियन दी लद्दाख स्काउट रेजिमेन्ट
3. 2514584डब्ल्यू सिपाही डिंपल कुमार, तीसरी बटालियन दी पंजाब रेजिमेन्ट (मरणोपरान्त)
4. 2514967एच सिपाही वीरपाल सिंह, तीसरी बटालियन दी पंजाब रेजिमेन्ट (मरणोपरान्त)

ऑपरेशन रक्षक

5. आईसी-77234के मेजर रनदीप सिंह, दी जम्मू और कश्मीर राइफल्स, तीसरी बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
6. जेसी-459690ए सूबेदार विरेशा कुरहट्टी, 18वीं बटालियन दी मराठा लाइट इन्फैन्ट्री (मरणोपरान्त)
7. जेसी-414365एन नायक सूबेदार नवल किशोर, प्रथम बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
8. 13772007एम नायक कृष्ण लाल, 18वीं बटालियन दी जम्मू और कश्मीर राइफल्स (मरणोपरान्त)
9. 5458202पी नायक सुबाश थापा, 3/5 गोरखा राइफल्स, 33वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरान्त)
10. 15238423एन लांस नायक राजेन्द्र सिंह, दी तोपखाना रेजिमेन्ट, 57वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरान्त)
11. 15619144एफ लांस नायक ऐरे ब्रह्मा, दी ब्रिगेड ऑफ दी गार्ड, 46वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
12. 4486920एल लांस नायक जसवींदर सिंह, दी सिख लाइट इन्फैन्ट्री, 19वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
13. 2706626एम सिपाही वीरी सिंह, दी ग्रिनेडियर्स रेजिमेन्ट, 55वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
14. 2813265डब्ल्यू सिपाही भगत संतोष मनलाल, चौथी बटालियन दी मराठा लाइट इन्फैन्ट्री
15. 2816801वाई सिपाही राहुल भैरू सुलगेकर, चौथी बटालियन दी मराठा लाइट इन्फैन्ट्री (मरणोपरान्त)
16. 3012316एफ सिपाही रिकू राणा, दी राजपूत रेजिमेन्ट, 44वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
17. 13775715के राइफलमैन चमन लाल, दी जम्मू और कश्मीर राइफल्स, तीसरी बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स
18. 2714836एफ ग्रिनेडियर्स विपिन सिंह, 16वीं बटालियन दी ग्रिनेडियर्स
19. 15736132एक्स सिग्नलमैन संतोष गोपे, दी सिग्नल कोर, 19वीं इन्फैन्ट्री डिविजन सिग्नल रेजिमेन्ट (मरणोपरान्त)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्याधिकारी

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 2021

संकल्प

सं. 5(2)-बी(पी.डी.)/2020—आम जानकारी के लिए यह घोषित किया जाता है कि वर्ष 2020-2021 के दौरान सामान्य भविष्य निधि तथा उसी प्रकार की अन्य निधियों के अभिदाताओं की कुल जमा रकमों पर दी जाने वाली ब्याज दर 1 जनवरी, 2021 से 31 मार्च, 2021 तक 7.1% (सात दशमलव एक प्रतिशत) होगी। यह दर 1 जनवरी, 2021 से लागू होगी। संबंधित निधियां निम्नलिखित हैं :—

1. सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवाएं)।
2. अंशदायी भविष्य निधि (भारत)।
3. अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि।
4. राज्य रेलवे भविष्य निधि।
5. सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं)।
6. भारतीय आयुध विभाग भविष्य निधि।
7. भारतीय आयुध कारखाना कामगार भविष्य निधि।
8. भारतीय नौसेना गोदी कामगार भविष्य निधि।
9. रक्षा सेवा अधिकारी भविष्य निधि।
10. सशस्त्र सेना कार्मिक भविष्य निधि।

2. आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

रजत कुमार मिश्र
अपर सचिव

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय
(कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 2020

शुद्धिपत्र

यह 1 जून 2019 को प्रकाशित पंजीकृत सं. डीएल 33004/99 असाधारण राजपत्र के संबंध में है जिसके द्वारा राष्ट्रीय बागवानी प्लास्टिकल्चर अनुप्रयोग समिति (एनसीपीएएच) के कार्यकाल को इसे जारी किए जाने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाने हेतु भारत के राजपत्र द्वारा फा.सं. 11.7/2009-बागवानी-11 से जारी की गई थी।

समिति के अध्यक्ष ने कोर समिति की सिफारिश पर बहुविषयी दृष्टिकोण अपनाए जाने हेतु समिति के नाम को राष्ट्रीय बागवानी प्लास्टिकल्चर अनुप्रयोग समिति से बदलकर राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति (एनसीपीएएच) किए जाने को अनुमोदन प्रदान कर दिया है जिसके संशोधन विचारार्थ विषय (टीओआर) निम्नानुसार होंगे:-

विचारार्थ विषय

- i. कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में वर्टिकल फार्मिंग, हाइड्रोपोनिक्स/ऐरोपोनिक्स, सौर्य ऊर्जा चलित एकीकृत सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, ऑटोमेशन तथा सेंसर आधारित प्रौद्योगिकियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आदि जैसे स्मार्ट/भविष्य में फार्मिंग होने वाले मॉडल का विकास करना तथा सुनियोजित कृषि के संदर्भ में उत्पादों की गुणवत्ता के मानकों का विकास करना, कम लागत वाली प्रणाली के प्रौद्योगिकी का विकास करने के लिए उत्पाद/घटक, निर्माताओं/प्रसंस्करणों के साथ समन्वय करना।
- ii. समर्पित वेब-पोर्टल के माध्यम से कृषि क्षेत्र में उपयोग होने वाली जल संवर्धन, उर्वरक संवर्धन, अपशिष्ट जल प्रबंधन, प्रयुक्त प्लास्टिकों की रिसाइक्लिंग के संदर्भ में स्थान-विशिष्ट परामर्शिकाओं का विकास करना एवं वास्तविक समय (रीयल टाइम) के आधार पर तकनीकी परामर्श, फीडबैक प्रदान करना।

- iii. देश में सुनियोजित कृषि एवं बागवानी का विकास करने हेतु अर्धोपाय का सुझाव देना तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग संगठनों एवं सरकारी एजेंसियों के संसाधनों को मिला करके सुनियोजित कृषि पद्धतियों के संदर्भ में अग्रणी प्रौद्योगिकियों का वैधीकरण करना।
- iv. अनुप्रयुक्त अनुसंधान, प्रदर्शनों, विस्तार और प्रसार को प्रोत्साहित एवं पुनःसत्यापित करना तथा देश के विभिन्न भागों में स्थित सुनियोजित कृषि विकास केंद्र के माध्यम से सुनियोजित कृषि, अपशिष्ट जल प्रबंधन तथा प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अंतिम उपयोगकर्ताओं के बीच उपयोगकर्ता-हितैषी मौसम/फसल आधारित कृषि जलवायु विभेदित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना, पहचान करना तथा स्थानीय जरूरत के अनुसार शोध कर प्रदर्शन के माध्यम से प्रचार करना।
- v. नीतिगत उपायों हेतु देशभर के अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त कृषि-वस्त्र सहित प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों का संकलन एवं आंकड़ा इकट्ठा करके सुनियोजित कृषि पर प्रभावी मूल्यांकन अध्ययन तथा कृषि कार्यक्रमों का संचालन करना।

ऊपर दिए गए से भिन्न सभी मदें/विवरण ऊपर उल्लिखित पंजीकरण संख्या में जारी राजपत्र के कार्यकाल के साथ वही रहेंगे।

आदेश:

आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सामान्य सूचना हेतु भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

बी.एन.एस. मूर्ति
बागवानी आयुक्त

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2020

No. 151-Pres/2020—The President is pleased to approve the award of the “Kirti Chakra” to the under mentioned person for the acts of most conspicuous gallantry:—

1. SHRI ABDUL RASHID KALAS, HEAD CONSTABLE, JAMMU & KASHMIR POLICE (POSTHUMOUSLY)

(Effective date of the award: 18 February, 2019)

On 18.02.2019, SSP Pulwama received a credible input about meeting of a group of JeM terrorists (who were behind the suicide attack on CRPF Convoy at Lethpora Pulwama on 14-2-2019) at Village Pinglena to plan Lethpora type fidayeen attack. The input was shared with Addl SP Pulwama, Dy SP, 55 RR and 182/183 Bn CRPF. The operation was planned and Addl SP Pulwama, Dy SP (PC) Pulwama, police party from PC Pulwama led by Incharge SI Azad Ahmed, contingent of 55 RR and 182/183 Bn CRPF rushed towards village Pinglena Pulwama. In the meantime, Shri Amit Kumar, IPS Anantnag along with SP Pulwama also reached the spot to supervise the operation.

To make the operation successful, two joint teams of Police and SFs under the command of DIG SKR, Anantnag/SP Pulwama were constituted to zero in the target. Both the teams positioned themselves as per the terrain which was quite difficult due to presence of scattered residential houses, deep Nalla and having dense vegetation. The area was sealed off and all the possible escaping routes including path ways to agriculture land, interior roads, lanes/by-lanes were plugged off properly.

After strengthening the cordon, the team of PC Pulwama started searching the area to locate the terrorists. However, as the party led by DIG SKR approached the target house, the terrorists fired upon the search party indiscriminately. Exhibiting highest degree of courage, Shri Amit Kumar immediately positioned himself and effectively retaliated thereby, forced the terrorists to turn defensive.

The presence of terrorists got established and the inner cordon of the target site was further intensified and retaliation was firmly executed. However, to avoid civilian casualties, the operational commander (DIG SKR Anantnag) directed for safe evacuation of civilians trapped in the cordoned area including the target house. While the evacuation process was taking place, the rescue parties led by DIG SKR Anantnag, SP Pulwama and Addl SP Pulwama came under heavy volley of fire. However, keeping the morale high, DIG continued the evacuation process till it got completed. Since terrorists have occupied three different locations inside the house to attack the troops and they were frequently changing their location, it was difficult to retaliate the fire. In the meantime, some local youth including women folk also tried to come close towards the operation site to create law & order situation which was handled in a professional way. Since the terrorists were constantly firing the specific targets, the operational team was effectively engaged in retaliation and did not provide a single chance to the terrorists to flee from the cordoned area. However, during fierce fire fight SI Azad Ahmad, HC Abdul Rashid Kalas and few Army personnel received serious bullet wounds and later HC Abdul Rashid Kalas and few Army personnel attained martyrdom. SI Azad Ahmad survived miraculously as the bullet hit on his head (helmet) but slipped and struck to his neck. Shri Amit Kumar and his QRT who were engaged in the operation from North East and South Eastern side of target house, intensified the retaliation from the front and gunned down two dreaded terrorists. Since the third terrorist was continuously changing his location from one house to another and also made repeated attempts to break the cordon by firing indiscriminately upon the troops, Shri Amit Kumar and his team held their positions strongly and did not provide any chance to the terrorist to escape. Sensing that the terrorist stopped the firing for some moment, DIG SKR and his team engaged themselves in tightened the cordon and also plugged all lanes/by-lanes.

In the wee hours of Feb, 18 2019, the holed up terrorist again started indiscriminate firing and made series of attempts to escape but the altered troops foiled his every attempt. The house occupied by the said terrorist was targeted from each side and blown up with an IED planted under the supervision of DIG SKR Anantnag and some Army officers/personnel. The firing stopped from the target house and it was presumed that all the terrorists got neutralized and their bodies are lying in the debris of the building. Shri Amit Kumar, IPS, DIG SKR along with a few Police/Army personnel took lead to search the dead bodies of terrorists from the debris. The terrorist, who had survived the IED attack was lying under an abandoned vehicle pretended to the dead and he all of a sudden stood up and fired indiscriminately on the troops during which Shri Amit Kumar, IPS DIG SKR Anantnag got seriously injured and was shifted to Army hospital Srinagar wherefrom, he was airlifted to AIIMS, Delhi and is still undergoing treatment at AIIMS, the joint operation team without losing courage fought bravely and neutralized the third terrorist. During search, the dead bodies of all the three terrorists were recovered from the debris. Huge cache of arms/ammunitions was recovered from the possession of slain terrorists.

Pertinently, it was due to extraordinary leadership shown by Shri Amit Kumar, IPS, DIG SKR, Anantnag, the operation could be executed on ground as it was quite a challenging task and three dreaded terrorists were eliminated without any civilian casualty. At the same time, the valour shown by HC Abdul Rashid Kalas during the whole course of operation to target the terrorists is also exemplary which led to his martyrdom.

During the operation, Shri Abdul Rashid Kalas, Head Constable displayed valour and exemplary raw courage in engaging and eliminating hardcore terrorists and made supreme sacrifice for the nation.

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 152-Pres/2020—The President is pleased to approve the award of the “Shaurya Chakra” to the under mentioned persons for the acts of gallantry:—

1. SHRI AMIT KUMAR, DY. INSPECTOR GENERAL OF POLICE, JAMMU & KASHMIR POLICE

(Effective date of award: 18 FEBRUARY 2019)

On 18.02.2019, SSP Pulwama received a credible input about meeting of a group of JeM terrorists (who were behind the suicide attack on CRPF Convoy at Lethpora Pulwama on 14-2-2019) at Village Pinglena to plan Lethpora type fidayeen attack. The input was shared with Addl SP Pulwama, Dy SP, 55 RR and 182/183 Bn CRPF. The operation was planned and Addl SP Pulwama, Dy SP (PC) Pulwama, police party from PC Pulwama led by Incharge SI Azad Ahmed, contingent of 55 RR and 182/183 Bn CRPF rushed towards village Pinglena Pulwama. In the meantime, Shri Amit Kumar, IPS Anantnag along with SP Pulwama also reached the spot to supervise the operation.

To make the operation successful, two joint teams of Police and SFs under the command of DIG SKR, Anantnag/SP Pulwama were constituted to zero in the target. The nafri was divided into two components and the first party comprised of Police Pulwama, QRTs of 55 RR and 182/183 Bn CRPF headed by DIG SKR Anantnag laid cordon of the target area from North East and South Eastern side. The 2nd Police party including QRTs of 55 RR and 182/183 Bn CRPF under the command of SP Pulwama and Addl SP Pulwama was tasked to lay the cordon from North-West and South Western side. Both the teams positioned themselves as per the terrain which was quite difficult due to presence of scattered residential houses, deep Nalla and having dense vegetation. The area was sealed off and all the possible escaping routes including path ways to agriculture land, interior roads, lanes/by-lanes were plugged off properly.

After strengthening the cordon, the team of PC Pulwama started searching the area to locate the terrorists. However, as the party led by DIG SKR approached the target house belonging to Mohammad Abdullah Hajam S/o Ghulam Mohammad Hajam and Abli Jajam, S/o Gafar Hajam, r/o Pinglena, the terrorists fired upon the search party indiscriminately and Shri Amit Kumar, IPS DIG SKR and his men had a narrow escape. Exhibiting highest degree of courage, Shri Amit Kumar immediately positioned himself and effectively retaliated thereby, forced the terrorists to turn defensive. Since it was late evening, the search/street lights were put in place to illuminate the target area. The concertina wire was also placed around the target house to keep an eye over the movement of besieged terrorist.

The presence of terrorists got established and the inner cordon of the target site was further intensified and retaliation was firmly executed. However, to avoid civilian casualties, the operational commander (DIG SKR Anantnag) directed for safe evacuation of civilians trapped in the cordoned area including the target house. While the evacuation process was taking place, the rescue parties led by DIG SKR Anantnag SP Pulwama and Addl SP Pulwama came under heavy volley of fire. However, keeping the morale high, DIG continued the evacuation process till it got completed. Since terrorists have occupied three different locations inside the house to attack the troops and they were frequently changing their location. It was difficult to retaliate the fire. In the meantime, some local youth including women folk also tried to come close towards the operation site to create law & order situation which was handled in a professional way. Since the terrorists were constantly firing the specific targets, the operational team was effectively engaged in retaliation and did not provide a single chance to the terrorists to flee from the cordoned area. However, during fierce fire fight SI Azad Ahmad, HC Abdl Rashid Kalas and few Army personnel received serious bullet wounds and later HC Abdul Rashid Kalas and few Army personnel attained martyrdom. SI Azad Ahmad survived miraculously as the bullet hit on his head (helmet) but slipped and struck to his neck. Shri Amit Kumar and his QRT who were engaged in the operation from North East and South Eastern side of target house, intensified the retaliation from the front and gunned down two dreaded terrorists. Since the third terrorist was continuously changing his location from one house to another and also made repeated attempts to break the cordon by firing indiscriminately upon the troops, Shri Amit Kumar and his team held their positions strongly and did not provide any chance to the terrorist to escape. Sensing that the terrorist stopped the firing for some moment, DIG SKR and his team engaged themselves in tightened the cordon and also plugged all lanes/by-lanes.

In the wee hours of Feb, 18 2019, the holed up terrorist again started indiscriminate firing and made series of attempts to escape but the altered troops foiled his every attempt. The house occupied by the said terrorist was targeted from each side and blown up with an IED planted under the supervision of DIG SKR Anantnag and some Army officers/personnel. The firing stopped from the target house and it was presumed that all the terrorists got neutralized and their bodies are lying in the debris of the building. Shri Amit Kumar, IPS, DIG SKR along with a few Police/Army personnel took lead to search the dead bodies of terrorists from the debris. The terrorist, who had survived the IED attack was lying under an abandoned vehicle pretended to be dead and he all of a sudden stood up and fired indiscriminately on the troops during which Shri Amit Kumar, IPS DIG SKR Anantnag got seriously injured and was shifted to Army hospital Srinagar wherefrom, he was airlifted to AIIMS, Delhi

and is still undergoing treatment at AIIMS, the joint operation team without losing courage fought bravely and neutralized the third terrorist. Huge cache of arms/ammunitions was recovered from the possession of slain terrorists.

Pertinently, it was due to extraordinary leadership shown by Shri Amit Kumar, IPS, DIG SKR, Anantnag, the operation could be executed on ground as it was quite a challenging task and three dreaded terrorists were eliminated without any civilian casualty. Notably, at one point of time when rescue operation led by DIG SKR was conducted, it was apprehended that there could be civilian casualties. However, Shri Amit Kumar led by the rescue teams was highly commendable/exemplary thereby, saving the lives of a number of civilians. Also till the last phase of the operation, Shri Amit Kumar was leading from front and had a miraculous escape after being targeted by the terrorists several times. At the same time, the valour shown by HC Ab. Rashid Kalas during the whole course of operation to target the terrorists is also exemplary which led to his martyrdom.

Shri Amit Kumar, IPS, the then DIG SKR Anantnag shown exceptional leadership qualities, raw grit and moral courage risking his own life to secure his troops as well as the local populace.

2. LATE SHRI MAHAVEER PRASAD GODARA, SUB-INSPECTOR (EXECUTIVE), CISF (POSTHUMOUSLY)

(Effective date of award: 06 MARCH 2019)

On 06-03-2019, Shri Mahaveer Prasad Godara, SI was deployed as shift in-charge in 'A' shift from 0500 Hrs to 1300 hrs at CGO complex, New Delhi. Suddenly, at about 0830 hrs, a fire incident was reported from the 5th Floor Pt Deen Dayal Anyodaya Bhawan, CGO complex where the office of Ministry of Social Justice and Empowerment is located. On getting information regarding fire, he rushed to the spot for clearing the area. While he was evacuating the stranded personnel with his Quick Response Team on the 5th Floor, a partition wall collapsed and copious amount of smoke billowed out engulfing the response team led by, SI/Exe Shri Mahaveer Prasad Godara. While the other team members retreated quickly, he was still looking out for possible survivors, and could not extricate himself from the spot. He was taken to AIIMS Hospital immediately, where doctors declared him as dead.

Shri Mahaveer Prasad Godara, Sub-Inspector (Executive) displayed bravery, raw courage, utmost dedication and commitment to duty and made supreme sacrifice for the nation.

3. 3003914X HAVILDAR ALOK KUMAR DUBEY, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of award: 22 JUNE 2019)

On 22 June 2019, based on receipt of information a cordon and search operation was launched in orchards near a village in Jammu and Kashmir.

Havildar Alok Kumar Dubey using tactical proficiency assisted the Company Commander in laying the initial cordon. Havildar Alok was deployed as stop in inner cordon. At 0540 hours, Havildar Alok observed suspicious movement in the thickly vegetated bushes just ahead of him. At 0545 hours, Havildar Alok observed a group of terrorists trying to break cordon by taking advantage of poor visibility and thickly vegetated terrain. Upon challenging, the terrorists lobbed a grenade and opened indiscriminate fire. Displaying raw courage, Havildar Alok closed in to the group of terrorists and killed one terrorist at close range with aimed fire. The terrorist was later identified as a dreaded terrorist of category A++. In utter disregard to his personal safety, Havildar Alok crawled further blocking escape route of the terrorists. Maintaining offensive spirit, he brought down heavy volume of fire pinning the terrorists down and facilitating manoeuvre of own parties to further tighten the cordon. His courageous action prevented escape of the terrorists and eventually elimination of all four terrorists.

Havildar Alok Kumar Dubey has shown indomitable spirit, presence of mind, exemplary initiative and unparalleled courage, resulting in neutralization of a dreaded terrorist.

4. WING COMMANDER VISHAK NAIR (28993) FLYING (PILOT)

(Effective date of award: 05 AUGUST 2019)

Wing Commander Vishak Nair (28993) Flying (Pilot) is on the posted strength of a Sukhoi 30 MKI Squadron since 21 Apr 2018.

Wg Cdr Vishak Nair was flying as captain for an instructional flight mission on 05 Aug 2019. After recovering from a complex manoeuvre, he discovered that the aircraft was tending to pitch nose-down and there was an abnormally high force required to move the control-stick back in order to bring the aircraft back to level flight. With engagement of autopilot, aircraft behaviour worsened and the aircraft became almost uncontrollable with severe oscillatory motion in pitch. He took over controls of the aircraft manually and with great difficulty brought the aircraft back to stable flight, albeit with heavy stick forces. The aircraft was not responding to normal control inputs and was barely controllable and that too only at higher speeds. He tried reducing speed and lowering the landing gear, but that only worsened the situation. Retaining his composure and demonstrating tremendous grit, he made five unsuccessful attempts at high speeds to land the aircraft, since the aircraft showed slightly better controllability at higher speeds. In all such grave situations, a pilot would have normally ejected from the stricken aircraft. However, Wg Cdr Nair unmindful of the great peril to his own life in these rapidly worsening circumstances, dug deep

into the reserves of his knowledge, training and experience to extend the air-to-air refuelling probe. Extension of the probe made the aircraft marginally more controllable due to activation of the damping system. Severely fatigued, flying with tremendous stick forces and low on fuel, he made one final attempt to land, something which had never been attempted before on Sukhoi 30 MKI aircraft. On approach, he ran out of control deflection at 3 km from landing runway. He maintained higher speeds and aiming for centre of the runway, landed the aircraft safely. Post flight inspection revealed that a critical mechanical failure of Angle of Attack sensor in aircraft Fly-by-Wire system of the aeroplane had rendered the aircraft practically unflyable. The gallant act by Wg Cdr Nair in recovering an afflicted aircraft despite grave risk to his own life, not only demonstrated his extraordinary courage but also prevented loss of life and property while saving loss of an expensive aircraft.

Wing Commander Vishak Nair showed exceptional gallantry, professionalism of a very high order and courage under extreme stress.

5. LATE SHRI ERANNA NAYAKA, HEAD CONSTABLE, CISF (POSTHUMOUSLY)

6. LATE SHRI MAHENDRA KUMAR PASWAN, CONSTABLE/DCPO, CISF (POSTHUMOUSLY)

7. LATE SHRI MAHENDRA KUMAR PASWAN, CONSTABLE/DCPO, CISF (POSTHUMOUSLY)

(Effective date of award: 03 SEPTEMBER 2019)

On 03.09.2019 at about 0635 hrs, CISF personnel deployed at the LPG Gate duty post of ONGC Mumbai, Urban Plant, felt the smell of gas and faced trouble in breathing. Main Gate Control Room was informed in this regard.

On receiving the call from the Main Gate Control Room, the CISF Fire Wing Personnel immediately rushed to the spot along with STF.

Head Constable (Fire) Shri Eranna Nayaka along with two other CISF personnel namely Constable (Driver cum Pump Operator) Shri Mahendra Kumar Paswan and Constable (Fire) Shri Satish Prasad Kushwaha went inside the plant and started searching for the source of gas leakage. Suddenly, a blast took place inside the plant and Head Constable (Fire) Shri Eranna Nayaka who was involved in fire fighting operation was burnt alive and sacrificed his life.

Shri Eranna Nayaka, Head Constable (Fire), Constable (Driver cum Pump Operator) Shri Mahendra Kumar Paswan and Constable (Fire) Shri Satish Prasad Kushwaha displayed bravery, raw courage, utmost dedication and commitment to duty and made supreme sacrifice for the nation.

8. IC-68482Y LIEUTENANT COLONEL KRISHAN SINGH RAWAT, SENA MEDAL, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of the award: 24 December, 2019)

Lieutenant Colonel Krishan Singh Rawat, Sena Medal, was team leader of a mission oriented team, deployed along the Line of Control in Jammu & Kashmir for conduct of counter infiltration and counter terrorist operations.

While being deployed along the Line of Control intelligence was received indicating likely attempt by the terrorist to either infiltrate on to own side or cause casualties to own troops. He led his team and deployed it along the likely route of infiltration. After 36 hours in ambush in an inclement weather and close proximity to the Line of Control, his team spotted the group of terrorists. In the ensuing firefight, he maneuvered to a flank to locate specific position of the terrorists and directed squad commander to crawl forward and bring down accurate fire resulting in elimination of two terrorists. Under heavy retaliatory fire, he resited his team on tactically advantageous position to target rest of the group.

After protracted surveillance in close vicinity to the Line of Control and under heavy fire, he identified rest of the terrorists. Achieving complete surprise and unmindful of personal safety, he engaged them at extreme close range killing two terrorists, grievously injuring the third.

During the entire operation, Lieutenant Colonel Krishan Singh Rawat, Sena Medal showed his resolute, exemplary leadership and conspicuous gallantry in eliminating the terrorists.

9. IC-73334X MAJOR ANIL URS, 4TH BATTALION THE MARATHA LIGHT INFANTRY

(Effective date of the award: 26 December, 2019)

Major Anil is Company Commander deployed along the Line of Control in Jammu & Kashmir.

On receipt of intelligence of concentration of terrorist across Line of control for possible attempt of cross LC action to cause casualties to own troops, Major Anil laid an ambush along the appreciated route of movement.

Displaying good tactical acumen and strong resolve the officer waited patiently maintaining complete surprise. On spotting the group of terrorists Maj Anil brought down effective fire killing three terrorists. Being in close proximity to the Line of Control his action drew violent and effective fire from parties across the Line of Control. Enduring the risk of loss of

life, Major Anil displayed extraordinary leadership, nerves of steel and spirit of service before self where he chose to remain at the location awaiting opportunity to engage rest of the terrorists.

After life threatening wait of fifteen minutes, the team sighted and accurately brought down fire on two more terrorists leading to neutralization of two more terrorists.

Major Anil Urs displayed raw courage, marksmanship and rare combat leadership during the entire operation.

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 153-Pres/2020—The President is pleased to approve the award of the “Bar to Sena Medal/ Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-65911K LIEUTENANT COLONEL AMIT KANWAR, SENA MEDAL, THE PUNJAB REGIMENT, 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
2. IC-66127H LIEUTENANT COLONEL AMRENDRA PRASAD DWIVEDI, SENA MEDAL, THE ASSAM REGIMENT, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
3. IC-72542A MAJOR AMIT SAH, SENA MEDAL, THE GARHWAL RIFLES, 14TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
4. IC-75350N MAJOR AKHIL KUMAR TRIPATHI, SENA MEDAL THE RAJPUT REGIMENT, 10TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
5. JC-414157Y NAIB SUBEDAR ANIL KUMAR, SENA MEDAL**, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 154-Pres/2020—The President is pleased to approve the award of the “Sena Medal/ Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-63375N LIEUTENANT COLONEL MANOJ KUMAR BHARDWAJ, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 36TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
2. IC-67124F LIEUTENANT COLONEL RAKESH KUMAR, 19TH BATTALION THE GARHWAL RIFLES
3. IC-69038P MAJOR ARCHIT GOSWAMI, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
4. IC-73987Y MAJOR AMAN SINGH, THE ARMOURED CORPS, 14TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
5. IC-75187Y MAJOR RAHUL KUMAR SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
6. IC-76730Y MAJOR RAHUL SHARMA, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
7. IC-77355L MAJOR VINAYAK VIJAY, THE GRENADIERS REGIMENT, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
8. IC-77478X MAJOR KETAN SHARMA, THE CORPS OF ENGINEERS, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
9. IC-78486H MAJOR ASHUTOSH TOMAR, 23RD BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
10. IC-78527F MAJOR SAIKAT SHEKHAR SARDAR, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 36TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
11. IC-80434L MAJOR RAHUL SHARMA, 6TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
12. IC-80933A MAJOR DEEPAK KUMAR, 9TH BATTALION THE RAJPUTANA RIFLES
13. IC-78434M CAPTAIN JASMEET SINGH, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
14. IC-78962W CAPTAIN AMIT DAHIYA, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

15. IC-80118M CAPTAIN ABHISHEK KATOCH, THE CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
16. IC-81580X CAPTAIN NAWAL SANDILYA, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
17. SS-50422F LIEUTENANT RAHUL SHARMA, THE CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS, 2ND BATTALION THE ASSAM REGIMENT
18. JC-550655L SUBEDAR K LALDINGLIANA, THE ASSAM REGIMENT, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
19. JC-414202A NAIB SUBEDAR RAJENDRA KUMAR PALARIA, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
20. JC-588970L NAIB SUBEDAR TSEWANG GIALSHAN, 5TH BATTALION THE LADAKH SCOUTS REGIMENT (POSTHUMOUS)
21. 13625595L HAVILDAR HARISH BISHT, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
22. 13626539Y HAVILDAR AMAR SINGH, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
23. 13627094K HAVILDAR SHIV KUMAR YADAV, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
24. 15341245W HAVILDAR RAJESH KUMAR, THE CORPS OF ENGINEERS, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
25. 2695864W HAVILDAR SURESH KUMAR, 10TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
26. 3004037F HAVILDAR RABINDRA SINGH, THE RAJPUT REGIMENT, 10TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
27. 4086828Y HAVILDAR KULDEEP SINGH NEGI, THE PARACHUTE REGIMENT, 31ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
28. 4368047F HAVILDAR DASARATH KUMAR BASUMATARY, 2ND BATTALION THE ASSAM REGIMENT
29. 16015805X LANCE HAVILDAR SUMIT SINGH, 23RD BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
30. 2805337A LANCE HAVILDAR PAWAR VIKAS VASANT, 4TH BATTALION THE MARATHA LIGHT INFANTRY
31. 15489331N LANCE DAFADAR RAHUL SINGH, THE ARMOURED CORPS, 24TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
32. 15501308P ACTING LANCE DAFADAR NASEEB SINGH, THE ARMOURED CORPS, 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
33. 14839678F NAIK RAVI RANJAN KUMAR SINGH, THE ARMY SERVICE CORPS, 16 CORPS INTELLIGENCE AND SURVEILLANCE UNIT (POSTHUMOUS)
34. 15186981X NAIK LABA GHARA, THE PARACHUTE REGIMENT, 31ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
35. 2501896N NAIK MANINDER SINGH, 3RD BATTALION THE PUNJAB REGIMENT (POSTHUMOUS)
36. 2501928L NAIK URAD RAM SINGH, THE PUNJAB REGIMENT, 53RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
37. 3003074H NAIK SHIV PRATAP SINGH CHAUHAN, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
38. 3010203A NAIK SATYA PAL SINGH, THE RAJPUT REGIMENT, 10TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
39. 3012690K NAIK RAJENDRA SINGH, THE RAJPUT REGIMENT, 23RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
40. 4372508X NAIK AS SHANGREIYO, THE ASSAM REGIMENT, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

41. 4374459Y NAIK KONSAM GAUTAM SINGH, THE ASSAM REGIMENT, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
42. 13630205F LANCE NAIK BIRDAO DWIMARY, 11TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
43. 13014980X SEPOY BOROGA NARZARY, THE ASSAM REGIMENT, 166TH INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY) (HOME AND HEARTH, ASSAM)
44. 13629079N SEPOY HADIYOL CHANDAJI HIRAJI, THE GRENADIERS REGIMENT, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
45. 15196884N SEPOY RAJPAL, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
46. 2709675A SEPOY SANJAY KUMAR, THE GRENADIERS REGIMENT, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
47. 2810634X SEPOY PATIL VIKAS TUKARAM, 7TH BATTALION THE MARATHA LIGHT INFANTRY
48. 2815837L SEPOY SAKPAL DIPAK TUKARAM, 4TH BATTALION THE MARATHA LIGHT INFANTRY
49. 2817963W SEPOY KAPSE VIKAS SAINATH, 18TH BATTALION THE MARATHA LIGHT INFANTRY
50. 3012585N SEPOY HETRAM GURJAR, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
51. 3012688M SEPOY ROHIT KUMAR YADAV, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
52. 3013168N SEPOY ANAND SINGH SHEKHAWAT, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
53. 3013198L SEPOY ABHISEK PUNDIR, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
54. 3013359H SEPOY ANKIT SINGH, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
55. 3209173L SEPOY RAMBIR, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
56. 4206706N SEPOY SANTOSH JOSHI, THE KUMOUN REGIMENT, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
57. 13779301P RIFLEMAN SATISH KUMAR, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
58. 2714711K GRENADIER HEMRAJ JAT, 4TH BATTALION THE GRENADIERS (POSTHUMOUS)
59. 15801852P PARATROOPER SUMER SINGH, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
60. 15506701F SOWAR VIKASH KUMAR DWIVEDI, THE ARMoured CORPS, 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 155—Pres/2020—The President is pleased to approve the award of the “Nao Sena Medal/Navy Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. CAPTAIN MRIGANK SHEOKAND (05107-F)
2. COMMANDER DHANUSH MENON (05556-A)
3. HARIDAS KUNDU, CHA (FD) 130956-B
4. NAVEEN KUMAR, LS (UW), 230889-Z

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 156-Pres/2020—The President is pleased to approve the award of the “Vayu Sena Medal/Air Force Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. WING COMMANDER AMBER AGRAWAL (29062) FLYING (PILOT)
2. SQUADRON LEADER ARUN B (32507) FLYING (PILOT)
3. FLIGHT LIEUTENANT KARAN RANJIT DESHMUKH (34855) FLYING (PILOT)
4. FLIGHT LIEUTENANT KULDEEP SINGH RAJAWAT (35695) AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
5. 918586 CORPORAL PAHAD SINGH KHARAWAD INDIAN AIR FORCE (SECURITY)

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 157—Pres/2020—The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the under mentioned officers/personnel for “Mention in Despatches” received by the Raksha Mantri from the “Chief of the Army Staff”:—

OPERATION MEGHDOOT

1. SS-44432P MAJOR RAJ KUMAR, ARMY AVIATION, 7 RECONNAISSANCE AND OBSERVATION FLIGHT
2. JC-588722P SUBEDAR SONAM DORJAY, 4TH BATTALION THE LADAKH SCOUTS REGIMENT
3. 2514584W SEPOY DIMPAL KUMAR, 3RD BATTALION THE PUNJAB REGIMENT (POSTHUMOUS)
4. 2514967H SEPOY VEERPAL SINGH, 3RD BATTALION THE PUNJAB REGIMENT (POSTHUMOUS)

OPERATION RAKSHAK

5. IC-77234K MAJOR RANDEEP SINGH, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
6. JC-459690A SUBEDAR VEERESHA KURAHATTI, 18TH BATTALION THE MARATHA LIGHT INFANTRY (POSTHUMOUS)
7. JC-414365N NAIB SUBEDAR NAVAL KISHOR, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
8. 13772007M NAIK KRISHAN LAL, 18TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES (POSTHUMOUS)
9. 5458202P NAIK SUBASH THAPA, 3/5 GORKHA RIFLES, 33RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
10. 15238423N LANCE NAIK RAJINDER SINGH, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 57TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
11. 15619144F LANCE NAIK ARAY BRAHMA, THE BRIGADE OF THE GUARDS, 46TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
12. 4486920L LANCE NAIK JASWINDER SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
13. 2706626M SEPOY VEERI SINGH, THE GRENADIERS REGIMENT, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
14. 2813265W SEPOY BHAGAT SANTOSH MANLAL, 4TH BATTALION THE MARATHA LIGHT INFANTRY
15. 2816801Y SEPOY RAHUL BHAIKU SULAGEKAR, 4TH BATTALION THE MARATHA LIGHT INFANTRY (POSTHUMOUS)
16. 3012316F SEPOY RINKU RANA, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
17. 13775715K RIFLEMAN CHAMAN LAL, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

18. 2714836F GRENADIER VIPIN SINGH, 16TH BATTALION THE GRENADIERS
19. 15736132X SIGNALMAN SANTOSH GOPE, THE CORPS OF SIGNALS, 19TH INFANTRY DIVISION SIGNAL REGIMENT (POSTHUMOUS)

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 6th January 2021

RESOLUTION

No. 5(2)-B(PD)/2020—It is announced for general information that during the year 2020-2021, accumulations at the credit of subscribers to the General Provident Fund and other similar funds shall carry interest at the rate of 7.1% (Seven point one percent) w.e.f. 1st January, 2021 to 31st March, 2021. This rate will be in force w.e.f. 1st January, 2021. The funds concerned are:—

1. The General Provident Fund (Central Services).
 2. The Contributory Provident Fund (India).
 3. The All India Services Provident Fund.
 4. The State Railway Provident Fund.
 5. The General Provident Fund (Defence Services).
 6. The Indian Ordnance Department Provident Fund.
 7. The Indian Ordnance Factories Workmen's Provident Fund.
 8. The Indian Naval Dockyard Workmen's Provident Fund.
 9. The Defence Services Officers Provident Fund.
 10. The Armed Forces Personnel Provident Fund.
2. Ordered that the Resolution be published in Gazette of India.

RAJAT KUMAR MISHRA
Additional Secretary

MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE, COOPERATION & FARMERS WELFARE)

New Delhi, the 26th June 2020

CORRIGENDUM

This refers to registered No. D.L 33004/99 extraordinary gazette published on June 1 2019; F.No. 11-7/2009-Hort.II issued by the Gazette of India for extension of National Committee on Plasticulture Applications in Horticulture (NCPAH) for a period of 3 years from the date of issue.

The chairman of the committee with recommendations made by the core committee in-order to have multi-disciplinary approach have approved the change of name of the committee as National Committee on Precision Agriculture & Horticulture (NCPAH) from National Committee on Plasticulture Applications in Horticulture with revised Terms of Reference (ToR) given as follows:

Terms of Reference

- I. To develop smart/future farming models such as Vertical farming, Hydroponics/Aeroponics, Solar powered Integrated Micro Irrigation System, Automation and Sensor based technologies, Artificial Intelligence etc. in agriculture & horticulture and coordinate with product/component manufacturers/processors for developing quality standards on products w.r.t precision farming, Developing technology with reduced system cost.
- II. To develop site-specific advisories w.r.t water savings, fertilizer savings, wastewater management, recycling of plastics used in Agri. Sector through dedicated web-portal and to provide technical consultation, feedback on real time basis.

- III. To suggest ways and means for promotion of Precision Agriculture & Horticulture in the country and revalidate the cutting-edge technologies w.r.t precision farming practices by dovetailing with International Institutions, Plastic engineering organizations and supporting Govt. agencies.
- IV. To encourage, identify and conduct applied research, demonstrations, extension & dissemination of user-friendly weather/crop based agro-climatically differentiated technologies among end users in the field of precision farming, wastewater management and plastic engineering through Precision Farming Development Centre located in different parts of the country.
- V. To conduct Impact Evaluation Studies and Agri. Events on Precision agriculture with a view to collect & consolidate data on plastic engineering applications including agro-textiles by end users across the country for policy measures.

Rest all given items/details other than mentioned above will remain same along with the tenure of the gazette issued in the reg. no. given above.

Order

Ordered that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

B.N.S. MURTHY
Horticulture Commissioner